Bareilly, Monday,
13 March 2023
BAREILLY EDITION
Price ₹ 3.00/-
Pages 12

दैनिक जागरण

PAGE NO. 04 MIDDLE

सही गलत तय नहीं कर पाई साहिबा

जासं, बरेली: एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को नई दिल्ली के रूबरू थिएटर के संगीतमय नाटक मिर्जा साहिबा का मंचन हुआ। डा. शशि सहगल लिखित, काजल सूरी निर्देशित नाटक मिर्जा साहिबा की कहानी है मिर्जा और साहिबा की। दोनों बचपन से एक संग बड़े हुए। जवानी तक पहुंचते-पहुंचते यह साथ मोहब्बत में बदल गया, लेकिन साहिबा के अब्बू और भाइयों को ये रिश्ता किमंजूर नहीं था, इसीलिए उन्होंने साहिबा की शादी कहीं और तय कर दी।

इसकी जानकारी पर मिर्जा घोड़े पर आकर साहिबा को भगा ले जाता है। कुछ दूर जाकर वह एक जगह आराम के लिए रूकते हैं। एक पेड़ की छांव में मिर्जा सो जाता है। इसी बीच साहिबा अपने भाइयों को बचाने के लिए मिर्जा के सारे तीर तोड़ देती है। उसे विश्वास था कि वह भाइयों को अपने प्यार के लिए मना लेगी। साहिबा के भाई, मिर्जा और उसे घेरकर हमला कर देते हैं। मिर्जा मौत के घाट उतार दिया गया। साहिबा बेवफा नहीं थी, बस वो सही गलत तय ना कर पाई। नाटक में मोहन यादव (मिर्जा), रवनीत कौर (साहिबा), जितेंद्र गुप्ता (खीवा), जसकीरन चोपड़ा (जिमियाब) ने बेहतरीन अभिनय किया। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देवमूर्ति, आदित्य मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति आदि मौजूद रहे।